अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2022) दिनांक : 20.12.2022

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

तेरापंथ इतिहास और दर्शन–70

प्र. 1 किन्हीं तेरह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 13

(क) 'भिक्षु चेतना वर्ष' के उपलक्ष्य से किन-किन ग्रन्थों के स्वाध्याय का प्रावधान रखा गया?

(ख) चरमोत्सव का सम्बन्ध किससे है? तथा इसका प्रारम्भ कब व कहां से हुआ?

(ग) बृहद् मस्तिष्क का अग्रपिण्डक किसका नियामक है?

(घ) आचार्य अमृतचन्द्र ने पुण्य का प्रतिपादन किस रूप में किया है?

(ङ) संयति को वंदना करने का आधार क्या है? तथा जयाचार्य ने इसका विशद विवेचन किस ग्रन्थ में किया है?

(च) आचार्य भिक्षु के विचारों को आचार्य तुलसी ने आज के परिपेक्ष्य में प्रस्तुत किया। उसका परिणाम क्या आया?

(छ) गण में भेद डालने वाले के लिए भगवान ने किसका विधान किया है?

(ज) आचार्य तुलसी ने अपने उत्तराधिकारी की नियुक्ति कब व कहां की?

(झ) साधु बनने का अर्थ क्या है?

(ञ) साधु-साध्वियों के विगय-परिहार की बात कब व कहां स्थगित की गई?

(ट) देवगति-बंध के कौन-कौन से कारण हैं?

(ठ) 'द्विर्वद्धं सुबद्धं भवति' इस संस्कृत वाक्य का क्या अर्थ है?

(ड) 'नन्दी सूत्र' में संघ को किन उपमाओं से उपमित किया गया है?

(ढ) आचार्य भिक्षु ने संघ की आधारशिला के रूप में कौन सी तीन मौलिक बातें दी?

(ण) सामान्यतः संघ शब्द का क्या अर्थ है।

प्र. 2 किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 15

(क) अमृत महोत्सव कब, कहां और किस रूप में मनाया गया?

(ख) कषाय जनित भावों के संतुलन कौन कर सकता है?

(ग) अन्य सम्प्रदाय के साधु-साध्वियां भी तेरापंथ के साहित्य को बहुत गहराई से पढ़ते हैं, इससे क्या निष्कर्ष निकलते हैं?

(घ) अति संक्षेप में स्पष्ट करें कि व्यवस्था पर ध्यान नहीं देने से कठिनाई पैदा हो सकती है।

(ङ) तेरापंथ की कुण्डली में अवस्थित 'नव ग्रहों' को लिखें।

(च) आचार्य को यह पता लग जाए कि आपसी सौहार्द में कमी है, तो उस समय क्या और क्यों करणीय है?

(छ) सात्विक, राजस और तामस मनुष्य से क्या तात्पर्य है?

(ज) भिक्षु चेतना वर्ष में कार्यक्रमों की क्रियान्विति के लिए गठित समिति की सदस्य संस्थाएं कौन-कौन सी थी?

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 12

(क) आचार्य भिक्षु ने धर्म को सम्प्रदाय मुक्त प्रमाणित किया, उसका विवेचन करें।

(ख) आचार्य तुलसी द्वारा युगीन आवश्यकताओं के आधार पर किए गए विशेष प्रयास व अवदानों को लिखें।

(ग) वैचारिक आचार संहिता के निष्कर्षों का संक्षेप में उल्लेख करें।

प्र. 4 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें– 30

(क) तेरापंथ की मौलिक मर्यादाओं का उल्लेख करते हुए आचार्य की अर्हताओं का विवेचन करें।

(ख) आचार्य तुलसी की प्रेरणा से तेरापंथ में कला की परम्परा अविच्छिन्न रूप से आगे बढ़ी। उल्लेख करें।

(ग) जीत व्यवहार क्या है? बताते हुए इसके आधार पर हुए परिवर्तनों का उल्लेख करें।

भिक्षु वाणी–30

प्र. 5 किन्हीं तीन पद्यों का सप्रसंग भावार्थ करें– 15

(क) जीभ रो.....खोय चाल्यो।

(ख) जो साची.....जोय।

(ग) आहार.....उठ जावे।

(घ) ज्यूं अधर्म.....चाल्या।

(ङ) प्रतिबिंब.....अग्यान।

प्र. 6 किन्हीं दो विषयों पर पद्य लिखें– 6

(क) आहार विवेक

(ख) पुरूषार्थ

(ग) जीवन सूत्र

(घ) धन

प्र. 7 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें– 9

(क) काच तणां.....मोल।

(ख) लोक मांहे.....रे मांहि।

(ग) मित्री सूं.....नहीं आवें।

(घ) समुंदर न.....मांडी झोर।

(ङ) पाप.....मोल।